an>

Title: Need to confer Bharat Ratna on Late Shri Karpoori Thakur.

श्री छेदी पासवान (सासाराम) : अध्यक्ष महोदया, उल्लेखनीय है कि अपनी लोकप्रियता के कारण जननायक के रूप में प्रसिद्ध बिहार के ग्यारहवें मुख्यमंत्री स्व. कर्पूरी ठाकुर आजीवन समाज के वंचित वर्गों के अधिकारों के संरक्षण के लिए संघर्षरत रहे। ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले महान सपूत ने सामाजिक न्याय के लिए शासन के माध्यम से कई सफल प्रयोग किए। अपनी कॉलेज की पढ़ाई को छोड़ कर 'अंग्रेज भारत छोड़ो आंदोलन' में कूद पड़े और 26 माह तक उन्हें जेल की यातना दी गयी।

स्वतंत्र भारत में भी टेल्को कामगारों के शोषण के विरुद्ध संघर्ष में उन्हें जेल यातना दी गई। जननायक कर्पूरी ठाकुर सम्पूर्ण क्रान्ति के अग्रणी सेनानी, महान समाजवादी चिंतक एवं गुदड़ी के लाल थे। एक ईमानदार शासक के रूप में उनकी प्रसिद्धि प्रेरणादायक है। स्वर्गीय कर्पूरी ठाकुर ने मैट्रिक के पाठ्यक्रम से अंग्रेजी भाषा की अनिवार्यता को समाप्त किया जिससे बिहार के ग्रामीण पृष्ठभूमि वंचित वर्ग के छात्र न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता हासिल कर सकें और आगे उन्हें आरक्षण के माध्यम से लोक सेवाओं में भागीदार बनाएं। स्वर्गीय कर्पूरी ठाकुर सरीखे अप्रतिम राजनेता, पारदर्शी एवं ईमानदार व्यक्तित्व के मुख्य मंत्री की रिक्ति को नहीं भरा जा सकता।

अत: मेरा विशेष अनुरोध है कि स्वर्गीय कर्पूरी ठाकुर को उचित सम्मान देने एवं उनकी स्मृतियों को ताजा रखने हेतु उन्हें भारत रत्न से शीघ्र विभूषित किया जाए। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष :

श्री भर्तृहरि महताब,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री अश्विनी कुमार चौबे और

कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री छेदी पासवान द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।